

শ্রীঃ
শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ

শ্রীমদ্রামায়ণে রাল্লীকীয়ে আদিকাৰ্যে
॥ শ্রী সুন্দরকাণ্ডষোড়শী ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री सुन्दरकाण्डशोडशी ॥

ततो रारणनीतायाः सीतायाः शक्रकर्षणः।

इयेष पदमन्त्रेष्टुं चारणाचरिते पथि ॥ 1 ॥

यथा राघरनिर्मुक्तः शरः शरसनरिक्रमः।

गच्छेत् तद्गद् गमिष्यामि लङ्कां रारणपालिताम् ॥ 2 ॥

अर्थसिद्धे हरिश्रेष्ठ गच्छ सौम्य यथासुखम्।

समानय च रैदेहीं राघरेण महात्मना ॥ 3 ॥

नमोहस्तु रामाय सलम्हणाय

देरै च तसै जनकात्मजायै।

नमोहस्तु रुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो

नमोहस्तु चन्द्राग्निमरुदणैभ्यः ॥ 4 ॥

पम्की च शाखानिलयं प्ररिष्टः

पुनः पुनश्चेतामसान्त्ररादी।

सुस्वागतं राचमुदीरयाणः

पुनः पुनश्चेदयतीर हृष्टः ॥ 5 ॥

नमोहस्तु राचस्पतये सरज्रिणे

स्वयम्बुरे चैर हताशनाय।

अनेन चोक्तं यदिदं ममाग्रतो

रनौकसा तच्छ तथास्तु नान्यथा ॥ 6 ॥

রানরোহং মহাভাগে দূতো রামস্য ধীমতঃ।
রামনামাঙ্কিতং চেদং পশ্য দেব্যঙ্গুলীযকম্ ॥ 7 ॥

ৎরমস্মিন্ কার্যনির্রাহে প্রমাণং হরিয়ুথপ।
রাঘরস্তুৎসমারন্তান্মযি যত্নপরো ভরেৎ ॥ 8 ॥

ৎরমস্মিন্ কার্যনির্যোগে প্রমাণং হরিসত্তম।
হনুমন্ যত্নমাস্থায় দুঃখক্ষয়করো ভর ॥ 9 ॥

যথা চ স মহাবাহুর্মাং তারযতি রাঘরঃ।
অস্মাদ্ দুঃখাম্বুসংরোধাৎ ত্বং সমাধাতুমর্হসি ॥ 10 ॥

অস্ত্রবিজ্জযতাং রামো লক্ষ্মণশ্চ মহাবলঃ।
রাজা জযতি সুগ্রীরো রাঘরেণাভিপালিতঃ ॥ 11 ॥

দাসোহং কোসলেন্দ্রস্য রামস্যাক্লিষ্টকর্মণঃ।
হনুমান্ শত্রুসৈন্যানাং নিহন্তা মারুতাত্মজঃ ॥ 12 ॥

ন রারণসহস্রং মে যুদ্ধে প্রতিবলং ভরেৎ।
শিলাভিশ্চ প্রহরতঃ পাদপৈশ্চ সহস্রশঃ ॥ 13 ॥

ধর্ষযিৎরা পুরীং লঙ্কামভিরাদ্য চ মৈথিলীম্।
সমৃদ্ধার্থো গমিষ্যামি মিষতাং সর্ৱরক্ষসাম্ ॥ 14 ॥

তদ্ যথা তস্য রিক্রান্তমনুরূপং মহাত্মনঃ।
ভরত্যাহরশুরস্য তথা ত্বমুপপাদয ॥ 15 ॥

ততো মযা রাগ্ভিরদীনভাষিণী শিরাভিরিষ্টাভিরভিপ্রসাদিতা।
উরাহ শান্তিৎ মম মৈথিলাত্মজা তরাতিশোকেন তথাতিপীড়িতা ॥ 16 ॥

॥ ইতি শ্রী সুন্দরকাণ্ডষোড়শী সমাপ্তা ॥